बी.ए. हिन्दी साहित्य –सेमेस्टर–5

Discipline Specific Elective (DSE)

पावस दिसम्बर 2025

तुलसीदास

Contact Hour/week-06

Contact Hour/semester-90 पूर्णांक – 80

Credits Assigned-06 समय – 3 घण्टे

Paper Code—HIN7102T

इकाई 1 तुलसीदास का जीवन परिचय, तुलसी की प्रमुख रचनाएँ, तुलसी की काव्य कला, तुलसी की भक्ति भावना, लोकनायक तुलसी की समन्वय भावना, तुलसी की सामाजिक-सांस्कृतिक दृष्टि, तुलसी के काव्य का अनुभूति एवं अभिव्यंजना पक्ष ।

इकाई 2 **रामचरितमानस**

व्याख्यात्मक अध्ययन - बालकांड - पद संख्या 1 से 25 तक

आलोचनात्मक अध्ययन - बालकांड का काव्य सौष्ठव ।

इकाई 3 **कवितावली**

व्याख्यात्मक अध्ययन - उत्तरकांड - छंद संख्या 35, 44 ,60, 67, 74, 84, 88, 89, 108, 119, 126, 134, 136, 140, 144, 153, 161, 165, 182 (कुल छंद 20)

आलोचनात्मक अध्ययन - कवितावली का काव्य सौष्ठव ।

इकाई 4 **गीतावली**

व्याख्यात्मक अध्ययन - बालकांड - पद संख्या - 7, 8, 9, 10, 18, 24, 26, 31, 33, 36, 44, 73, 95, 101, 104, 105, 106, 107,110 (कुल पद 20)

आलोचनात्मक अध्ययन - गीतावली का काव्य सौष्ठव ।

इकाई 5 **विनय पत्रिका**

व्याख्यात्मक अध्ययन - विनयपत्रिका - पद संख्या - 1, 30, 36.41, 45, 72, 79, 85, 90, 94, 101, 103, 104, 105, 111,114, 165, 167, 201, 272 (चुने हुए कुल 20 पद)

आलोचनात्मक अध्ययन - विनयपत्रिका का काव्य सौष्ठव ।

<u>प्रश्न एवं अंक–विभाजन</u>

खण्ड (क) प्रत्येक इकाई से दो–दो (कुल दस) लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 30 शब्द) 10 X 2 = 20 अंक

खण्ड (ख) इकाई 1 से विकल्प सहित एक टिप्पणी परक प्रश्न इकाई 2,3,4 व 5 से विकल्प सहित तीन व्याख्या (शब्द सीमा 225 शब्द) 4 X 6 = 24 अंक ।

और प्रत्येक इकाई से एक–एक आलोचनात्मक प्रश्न जिसमें से विद्यार्थी किन्हीं तीन के उत्तर देगा (कुल तीन) (शब्द सीमा 550 शब्द) 3 X 12 = 36 अंक

सतत मूल्यांकन – 20 अंक

सहायक पुस्तकें.

1 रामचरितमानस (गीताप्रेस गोरखपुर) तुलसीदास

2 कवितावली (गीताप्रेस गोरखपुर) तुलसीदास

3 गीतावली. (गीताप्रेस गोरखपुर) तुलसीदास

4 विनयपत्रिका (गीताप्रेस गोरखपुर) तुलसीदास

5 हिंदी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि - द्वारिका प्रसाद सक्सेना

6 तुलसीदास - नंदकिशोर नवल

7 तुलसीदास आज के आलोचकों की नजर में - लक्ष्मण यादव, स्वराज प्रकाशन, नई दिल्ली 2014

8 गोस्वामी तुलसीदास - माताप्रसाद गुप्त

9 रामचरितमानस के रचना शिल्प का विवेचन - योगेन्द्रप्रताप सिंह

10 तुलसी मीमांसा - उदयभानु सिंह